फिलिस्तीनी आतंकियों के रॉकेट हमलों से थर्राया इज़रायल, 200 लोगों की मौत

आतंकी संगठन हमास ने इज़रायल पर हजारों रॉकेट दागे और घुसपैठ करके 50 से ज्यादा लोगों को बंधक बनाया, 500 से ज्यादा लोग घायल हुये

- क्रोधित इज़रायल ने फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- गौरतलब है कि, एक दिन पहले इज़रायल ने 75वीं सालगिरह मनाई थी। उसके अगले ही दिन उसे इतने बड़े हमले का सामना करना पड़ा। आतंकियों ने इज़रायल सुरक्षाबलों के हथियारों और सैन्य वाहनों पर भी कब्जा किया।
- सोशल मीडिया पर साझा किए गये वीडियो में दिख रहा है कि फिलिस्तीनी हमलावर इजरायली शहर स्डेरोट की सड़कों पर राहगीरों पर सरेआम गोलियां चला रहे हैं।

तेल अवीव, 7 अक्टूबर। फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने शनिवार सुबह इजरायल के ऊपर ताबड़तोड़ 5 हजार से अधिक रॉकेट हमले किये। इन हमलों के कारण पूरा इजरायल थर्रा उठा, 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 500 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। इसके अलावा सीमावर्ती क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों को बंधक भी बनाया गया है।

आतंकी संगठन हमास ने कुछ वीडियो फुटेज जारी किए हैं। इन फुटेज में नजर आ रहा है कि, हमास आतंकी हमले के दौरान इजरायली लोगों को पकड़कर उन्हें बंधक बना रहे हैं। बता दें कि, गाजा के आतंकी संगठन ने शनिवार सुबह इजरायल पर बेहद खतरनाक ढंग से हमले को अंजाम दिया। इस दौरान हजारों रॉकेट दागे गए और विभिन्न तरफ से घुसपैठ करते हुए लोगों को निशाना बनाया था।

गौरतलब है कि एक दिन पहले इजरायल ने 75वीं सालगिरह मनाई थी। इसके अगले ही दिन उसे इतने बड़े हमले का सामना करना पड़ गया। अचानक से हुए इस हमले ने इजरायली सेना और सुरक्षा बलों को पूरी तरह से हैरान कर दिया। हमास के बंदूकधारी मिलिट्री बेस में घुस गए और सीमा पर बसे इजरायली समुदाय की तरफ बढ़ने लगे। स्थानीय लोगों ने बताया कि, इस दौरान आतंकी मार रहे थे और पकड़ रहे थे। ऑनलाइन वायरल हो रही एक अन्य वीडियो क्लिप में दिखाया गया है कि आतंकी संगठन द्वारा लोगों को बंधक बनाया जा रहा है। अरबी मीडिया ने दावा किया है कि, यह संख्या 52 है। पकड़े गए कुछ लोगों को मौत के घाट भी उतार दिया गया है। जारी युद्ध के बीच सेना ने फिलहाल मृतकों या बंधकों के आंकड़ों की जानकारी देने से इनकार कर दिया है।

सोशल मीडिया पर हमास लड़ाकों के कई वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, जो चोरी हुए इजराइली सैन्य वाहनों को सड़कों पर घुमाते देखे जा सकते हैं। एक वायरल वीडियो में गाजा के भीतर एक इजराइली सैनिक के शव को फलस्तीनियों की गुस्साई भीड़ द्वारा घसीटते हुए देखा जा सकता है। मैगन डेविड एडोम रेस्क्यू सेवा ने कहा कि, उसकी दो एम्बुलेंस को पकड़ लिया गया। इसके अलावा एक डॉक्टर की भी मौत हो गई। गौरतलब है कि आक्रमण शुरू होने के छह घंटे बाद, हमास आतंकवादी कम से कम सात इजरायली समुदायों और एक सैन्य अड्डे के अंदर फायरिंग कर रहे थे। इस अचानक से हुए हमले से पूरे देश को हिला दिया।

हमास की तरफ से जबरदस्त हमले के बाद नेतन्याहू और उनके गठबंधन सहयोगियों की आलोचना तेज हो गई है, जिन्होंने गाजा से खतरों के खिलाफ अधिक आक्रामक कार्रवाई का अभियान चलाया था। राजनीतिक विश्लेषकों ने योजना और समन्वय के स्तर पर हमास हमले का अनुमान लगाने में विफलता पर सरकार की आलोचना की। गौरतलब है कि हमास के अभूतपूर्व रॉकेट हमले के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश की जनता से कहा कि, हम युद्धरत हैं।

सोशल मीडिया पर साझा किए गये वीडियो में दिख रहा है कि फिलिस्तीनी हमलावर इजरायली शहर स्डेरोट की सड़कों पर राहगीरों पर सरेआम गोलियां चला रहे हैं। गाजा की ओर से किये गये फिलिस्तीनी रॉकेट हमले में इजरायल की एक महिला की मौत हो गयी।

इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि हमास ने बहुत बड़ी गलती की है और उनके देश के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया है। गैलेंट ने कहा कि इजरायल के सैनिक हर जगह पर दुश्मन का सामना कर रहे हैं और इज़राइल इस युद्ध को जीतेगा। इजरायल रक्षा बलों (आई.डी.एफ.) ने कहा कि वह युद्ध में आगे बढ़ चुका है और कई लड़ाकू विमान गाजा में हमास के ठिकानों पर हवाई हमले कर रहे हैं। हमास द्वारा शासित गाजा की ओर से रॉकेट हमला सुक्कोट के यहूदी छुट्टी की समाप्ति के ठीक बाद आज सुबह शुरू हुआ।

पूरे इज़रायल में जैसे ही सायरन बजने लगे, आई.डी.एफ. ने घोषणा की कि हमलावरों ने इजरायली क्षेत्र में कई अलग-अलग स्थानों पर घुसपैठ की है। इसने दक्षिणी और मध्य क्षेत्रों में नागरिकों को आश्रयों में और गाजा के आसपास के क्षेत्र में आश्रयों के अंदर रहने के लिए कहा।

ऑनलाइन पोस्ट किए गए वीडियो में दिख रहा है कि भारी हथियारों से लैस फिलिस्तीनी हमलावरों का एक समूह काले कपड़े पहने एक पिक-अप ट्रक में स्डेरोट के आसपास घूम रहा है। एक वीडियो में, वही हमलावर शहर की सड़कों पर इजरायली बलों के साथ गोलीबारी करते दिख रहे हैं, जो गाजा से केवल एक मील दूर है।

फिलिस्तीनी मीडिया की अपुष्ट रिपोर्टों के अनुसार, कई इजरायलियों को हमलावरों ने बंदी बना लिया है और वीडियो में गाजा में फिलिस्तीनियों को इजरायली सैन्य वाहन चलाते हुए दिखाया गया है। इस बीच, रॉकेट हमले शनिवार सुबह तक लगातार जारी रहे और इजरायली मीडिया ने कहा कि अब तक 2,200 से ज्यादा गोले इजरायल की ओर दागे जा चुके हैं।

इजरायल की मैगन डेविड एडोम एंबुलेंस सेवा की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार रॉकेट हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और 16 अन्य घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। दक्षिणी शहर अशकेलॉन के एक अस्पताल ने बाद में कहा कि वहां 68 घायलों का इलाज चल रहा है, जबकि बीयर शेवा के एक अन्य अस्पताल ने 80 अन्य लोगों की सूचना दी।

हमास के एक वरिष्ठ सैन्य कमांडर ने हमास मीडिया पर एक प्रसारण में अभियान शुरू करने की घोषणा की और फिलिस्तीनियों से हर जगह लड़ने का आव्हान किया। मोहम्मद दीफ ने कहा कि यह पृथ्वी पर अंतिम कब्जे को समाप्त करने के लिए सबसे बड़ी लड़ाई का दिन है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की टोंक में सक्रियता न केवल भाजपा अपितु कांग्रेसजनों में भी बड़ी चर्चा का विषय बनी हुई है। पिछले 10-12 दिनों से पायलट टोंक विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों के तूफानी दौरे कर रहे हैं। टोंक में पायलट की सक्रियता के कारण यहां से उम्मीदवारी के दावे ठोंकने की फिराक में बैठे 12 से 15 कांग्रेसजन भी सकते में आ गये हैं। इस बीच पायलट ने भाजपा खेमे में भी सेंधमारी कर दी है, शनिवार को पायलट की, भाजपा के पूर्व टोंक शहर मण्डल अध्यक्ष कमलेश सिंगोदिया से हुई मुलाकात के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं।

पायलट ने भाजपा के माली वोट बैंक को साधा

भाजपा के पूर्व शहर अध्यक्ष कमलेश सिगोदिया से पायलट की मुलाकात चर्चा का विषय बनी

- पायलट ने टोंक जिले का तूफानी दौरा कर यहां से चुनाव नहीं लड़ने की अटकलों को खारिज कर दिया।
- पायलट ने टोंक शहर के आधे से ज्यादा वार्डों में घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की।

टोंक, 7 अक्टूबर (निसं)। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट दो दिवसीय टोंक दौरे पर रहे और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों पर चर्चा की, पायलट ने दो दिन के तूफानी दौर से विधानसभा क्षेत्र उम्मीदवार बनने के सपने संजो रहे 12 से 15 कांग्रेस उम्मीदवार भी सकते में आ गये हैं। कार्यकर्ताओं को भी चौंका दिया है।

जानकारी के अनुसार कई लोग यह भी कयास लगा रहे थे कि टोंक विधायक सचिन पायलट इस बार टोंक विधानसभा क्षेत्र से चुनाव नहीं लडेंगे, जिससे कई कांग्रेसी उम्मीदवार खुश भी नजर आ रहे थे, लेकिन अचानक हुए दो दिन के दौरे ने यह तो साबित कर दिया कि अगला विधानसभा चुनाव टोंक विधानसभा क्षेत्र की जनता के बीच रहकर ही लड़ा जायेगा।

पायलट ने शनिवार को चराई, अरनियामाल, छान, उनकाबरा, वजीरपुरा, महुआ, भरनी, करीमपुरा आदि गांवों के साथ बैरवा समाज धर्मशाला में आयोजित सम्मान समारोह सहित टोंक शहर के मुख्य इलाका कालीपलटन के बछेरो के घेर में आम सभा को संबोधित किया, पायलट इस दौरान युवाओं के साथ हंसी मजाक करते भी नजर आये, या यू कहा जाये कि, पायलट ने अपनी जीत का आंकड़ा इन दो दिनों में ही तय कर दिया है। पायलट ने गुर्जर बैल्ट, मीणा बैल्ट सहित बैरवा समाज और शहर के आधे से ज्यादा वार्डों में जाकर घर-घर चाय की चुस्कियों के साथ चर्चा भी की।

वहीं गहलोत गुट और भाजपा गुट के लोगों के वहां जाकर पायलट ने शहर में चर्चा का विषय बना दिया है। बात की जाये तो भाजपा से कमलेश सिगोदिया जो पूर्व में शहर मण्डल अध्यक्ष और नगर परिषद के सीधे चेयरमैन के चुनाव में वर्ष 2009 में अपना भाग्य अजमा चुके है। पायलट का कमलेश सिगोंदिया के कॉलेज जाकर मुलाकात करना लोगों द्वारा कई मायने निकाले जा रहे हैं, टोंक विधानसभा क्षेत्र में माली समाज बड़ी संख्या में निवास करता है।

पायलट की भाजपा के पूर्व टोंक शहर मण्डल अध्यक्ष कमलेश सिंगोदिया से हुई मुलाकात को राजनैतिक मायनों में अहम माना जा रहा है। वहीं भाजपा इस मुलाकात के बाद सदमे आ चुकी है, क्योंकि यहाँ के अधिकतर भाजपा वोटर बैंक माली समाज का ही रहा है। सिंगोदिया ने अपनी बात रखते हुए पायलट को यह भी कहा कि, टोंक जिले की मालपुरा विधानसभा क्षेत्र से माली समाज को टिकट दिया जाना चाहिए, मालपुरा विधानसभा क्षेत्र में माली समाज बड़ी तादाद में निवास करता है, पायलट को माली समाज से एक टिकट की मांग को लेकर जो वार्तालाप हुए है, अगर वह सच साबित हो जाती है, तो टोंक जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में निवास कर रहे माली समाज का वोट कांग्रेस के पक्ष में दिया जायेगा। इसके लिए माली समाज के मुख्य लोगों द्वारा चारों विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार भी किया जायेगा, पायलट ने आलाकमान से इस विषय में बात करने की चर्चा भी की है।

वहीं पायलट ने भाजपा खेमे में सैंधमारी कर यह साबित कर दिया कि अब माली समाज भाजपा का वोट बैंक ही नहीं रहा, जो पार्टी माली समाज का भला करेगी, माली समाज अब उस ही पार्टी के साथ रहेगा। कमलेश सिगोदिया टोंक शहर में स्कूल, कॉलेज सहित भामाशाह के रूप में भी माने जाते हैं, राजनैतिक गलियारों में इस मुलाकात के बाद अलग-अलग तरह के कयास भी लगाये जा रहे हैं कि क्या सिगोदिया जल्द कांग्रेस का दामन थामेंगे या समाज के लिए अग्रणीय रहेंगे। वहीं गहलोत गुट के माने जाने वाले सरताज अहमद, राशन डीलर प्रदेशाध्यक्ष के घर जाकर पायलट का चाय पीना भी शहर में चर्चा का विषय बन गया है, इसके भी लोगों द्वारा अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं।

लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक समर्थकों ने दलित महिलाओं को पीटा

मारपीट में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसको उपचार के लिए अजमेर रैफर किया गया

- बिदियाद में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक के आगमन से पहले ही दलित पुरूष व महिलाएं काले झंडों के साथ विरोध जता रही थीं तब उनके साथ मारपीट की गई।
- महिलाओं ने बताया कि, राणासर हत्याकांड के समय 6 दिन चले धरने में विधायक रामनिवास गावड़िया नहीं आए थे, इसलिए उनका विरोध किया गया है।

परबतसर, 7 अक्टूबर (निसं)। ग्राम पंचायत बिदियाद में शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण का कार्यक्रम विरोधाभास के बीच आयोजित हुआ। कुछ दलित महिलाओं व पुरुषों ने परबतसर विधायक रामनिवास गावड़िया के आगमन से पहले ही काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन शुरु कर दिया था। इसके बाद, वहाँ मौजूद विधायक समर्थक कार्यकर्ताओं ने दलित समाज की इन महिलाओं के साथ मारपीट की, जिसमें एक महिला गम्भीर रुप से घायल हो गई। जिसे उपचार के लिए अजमेर रैफर किया गया।

जानकारी के अनुसार, खास बात तो यह सामने आई कि, जिनके साथ मारपीट हुई उन्हीं लोगों को थाने ले जाकर बंद कर दिया गया। इस घटना को लेकर सर्व समाज में रोष व्याप्त है। बताया जा रहा है कि, कार्यक्रम में काले झंडे दिखाकर विधायक गावड़िया का विरोध कर रहे लोगों से मौजूद कार्यकर्ताओं ने मारपीट शुरु कर दी थोड़ी देर बाद परबतसर थानाधिकारी नन्दलाल रिणवा भी पुलिस जाप्ते के साथ पहुंच गए व विरोध कर रहे लोगों को परबतसर थाने ले गए। विरोध करने वाली महिलाओं व पुरूषों ने बताया कि, "राणासर हत्याकांड के वक्त छह दिनों तक धरना चला था पर स्थानीय विधायक रामनिवास गावड़िया एक बार भी नहीं आए थे, इसको लेकर ही हम लोग विधायक के बिदियाद आगमन का विरोध कर रहे हैं।" कुछ समय बाद विधायक रामनिवास गावड़िया का काफिला बिदियाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा। उस दौरान भी वहां महिलाओं व पुरूषों ने विरोध किया। विरोध के दौरान ही रुकमा देवी, पत्नी तिलोक राम को विधायक समर्थकों के साथ हुई धक्का-मुक्की में चोट लग गई, जिसको पहले परबतसर ले जाया गया, जहां से अजमेर रैफर कर दिया गया। पुलिस ने विरोध कर रही 5 महिलाओं व 4 पुरुषों को गिरफ्तार कर थाने ले गई।

वायु सेना को आज मिलेगा नया झण्डा

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (वार्ता)। वायु सेना को उसके 91 वें स्थापना दिवस पर रविवार को नया ध्वज मिलेगा। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी स्थापना दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित समारोह में नये वायु सेना ध्वज का अनावरण करेंगे। इसके साथ ही यह दिन वायु सेना के इतिहास में ऐतिहासिक दिन के रूप में दर्ज हो जायेगा।

रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि नया वायु सेना ध्वज भारतीय वायु सेना के मूल्यों को बेहतर ढंग से प्रकट करने के लिए बनाया गया है। इसके लिए ध्वज के ऊपरी दाएं कोने में 'फ्लाई साइड' की ओर वायु सेना क्रेस्ट को शामिल किया जा रहा है। इस क्रेस्ट में राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ और उसके नीचे देवनागरी में 'सत्यमेव जयते' लिखा है। नीचे एक हिमालयी ईगल है जिसके पंख फैले हुए हैं, जो भारतीय वायुसेना के रणकौशल को दर्शाता है।

गगनयान में तीन यात्री जायेंगे, अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बनायेगा भारत

इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने अंतरिक्ष स्टेशन के लिए इसरो की इस बड़ी योजना का खुलासा किया

चेन्नई, 7 अक्टूबर। चंद्रयान-3 मिशन के साथ चंद्रमा पर छाप छोड़ने के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अब अपना पहला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी पहले से ही अपने मंगल और शुक्र मिशन पर काम कर रही है। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने अंतरिक्ष स्टेशन के लिए इसरो की इस बड़ी योजना का खुलासा किया है। इसरो अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी अंतरिक्ष स्टेशन के प्रक्षेपण और लंबे समय के लिए मानव अंतरिक्ष उड़ान जैसे मिशनों के लिए विभिन्न संभावनाएं तलाश रही है। सोमनाथ ने कहा, "चंद्रमा मिशन की सफलता के बाद हम सभी संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं।" उन्होंने कहा, "हम देख रहे हैं कि अंतरिक्ष स्टेशन भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के लिए कैसे फायदेमंद बन सकता है, इस पहलू पर हम चर्चा कर रहे हैं।"

23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद इसरो ने लैग्रैन्जियन प्वाइंट 1 (या एल1) के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित करने के लिए अपना पहला सौर मिशन आदित्य एल-1 भी लॉन्च किया। यह पृथ्वी से सूर्य की दिशा में 15 लाख किमी पर स्थित है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी अपने गगनयान मिशन पर भी काम कर रही है, जिसका उद्देश्य मानव के रहने योग्य अंतरिक्ष कैप्सूल विकसित करना है। तीन सदस्यीय दल को योजनाबद्ध तरीके से तीन दिनों के लिए अंतरिक्ष में ले जाएगा।

70 प्रतिशत बजारे के मिक्स आटे पर शून्य जी.एस.टी.

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (वार्ता)। माल एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) परिषद ने सरकार के मिलेट (मोटे अनाज) को बढ़ावा देने के तहत 70 प्रतिशत बाजरे के आटे के मिश्रण को खुले बेचने पर शून्य जी.एस.टी. तथा डिब्बाबंद कर बेचने पर पांच प्रतिशत जी.एस.टी. लगाये जाने का निर्णय लिया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आज यहां हुयी परिषद की 52वीं बैठक में ये निर्णय लिये गये। बैठक के बाद सीतारमण ने संवाददाताओं से कहा कि गन्ना किसानों के हित में तथा पशु आहार के निर्माण की लागत को कम करने के उद्देश्य से मॉलिसिस पर जी.एस.टी. 28 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

जयपुर, नागपुर सहित 10 शहर रियल एस्टेट ग्रोथ में टॉप पर रहेंगे

- कॉन्फिडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) व अन्य संगठनों की ओर जारी रिपोर्ट के अनुसार टियर टू शहर भारत की विकास की कहानी को जल्द ही नई गति देंगे।

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (वार्ता)। रियल एस्टेट की अगली विकास यात्रा को गति देने के लिए रियल एस्टेट डवलपमेंट, संगठित रिटेल पहुंच और परिपक्व रिहायशी बाजार में मजबूत लेन-देन के आधार पर भारत के 17 शहरों की पहचान की गयी जिसमें से भुवनेश्वर, कोयंबटूर, इंदौर, जयपुर, कोच्चि, लखनऊ, नागपुर, सूरत, तिरुवनंतपुरम, विशाखापत्तनम को 10 उभरते शहरों के रूप में पहचाना गया है, जिनमें निकट भविष्य में विकास की सबसे अधिक संभावना है।

कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) ने मिस्त्र में 21वें नैटकॉन के दौरान अपने नॉलेज पार्टनर कुशमैन एंड वेकफील्ड के साथ इंडिया के नेक्स्ट 10 इमर्जिंग मार्केट्स: इंजन्स फॉर फ्यूचर ग्रोथ ऑफ कमर्शियल रियल एस्टेट रिपोर्ट को जारी किया है जिसमें यह बात कही गयी है। दिल्ली एन.सी.आर., मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद प्रमुख 8 रियल एस्टेट बाजार बने हुए हैं। रिपोर्ट का अनुमान है कि ये 10 टियर- 2 शहर जल्द ही भारत की विकास की कहानी को और अधिक गति देने वाले साबित होंगे। शहरों का चयन जनसंख्या, बुनियादी ढांचा, प्रतिभा पूल, आय, रहने में आसानी और किफायती आवास उपलब्धता से जुड़े संकेतकों के आधार पर किया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरीकरण टियर-एक शहरों में मौजूदा बुनियादी ढांचे पर दबाव डाल रहा है क्योंकि वे गुणवत्ता वाले स्थानों की बढ़ती मांग को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। देश में शहरीकरण की रफ्तार तेज हो रही है। 2013 में शहरीकरण दर 32 प्रतिशत थी जो 2023 में बढ़कर 36 प्रतिशत हो गई है और यह उन बाजारों की ओर ध्यान केंद्रित कर रहा है जिनमें रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए अगला आशाजनक ठिकाना बनने की क्षमता है।

'ना तो चीन से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को चीन या चीन के किसी भी अधिकारी से न तो धन मिला है और ना ही कोई निर्देश मिला है। न्यूज क्लिक ने कहा कि उसने ना तो कोई अवैध कार्य किया है ना ही हिंसा फैलाने की कोशिश की है। उसने कहा कि न्यूज क्लिक को देश की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है और उसे यकीन है कि वह निर्दोष साबित होगा। न्यूज क्लिक का सारा कवरेज ऑनलाइन उपलब्ध है इससे स्पष्ट है कि न्यूज क्लिक का दावा सही है।

न्यूज क्लिक ने कहा कि एफ.आई.आर. में जो आरोप लगाए गए हैं, वे ई.डी., आयकर विभाग, आर्थिक अपराध शाखा द्वारा कई बार लगाए जा चुके हैं। पर इनमें से किसी ने भी कभी कोई चार्जशीट नहीं दी।

पोर्टल ने कहा कि, इन जांचों में पुरकायस्थ को अंतरिम सुरक्षा प्राप्त थी और नवीनतम एफ.आई.आर. उसे दरकिनार करने के लिए की गई है। ताकि यू.ए.पी.ए. के तहत उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। स्पेशल जज पटियाला हाउस के निर्देश पर एफ.आई.आर. की कापी दी गई। एफ.आई.आर. में जिन लोगों के नाम हैं उनसे दिल्ली पुलिस सोमवार को पूछताछ करेगी। इसमें कई वरिष्ठ पत्रकार शामिल हैं। विशेषज्ञों की राय है कि राजनीति से प्रेरित मामलों में दोषियों के खिलाफ तैयार चार्जशीट अदालत में टिक नहीं पाती है।

भाजपा और...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देने के लिए किया जाता रहा है। तथापि, हाल के समय में इन प्रतिस्पर्धाओं ने अत्यधिक नकारात्मक व भद्दा रुप ले लिया है, जिनमें राजनीतिक प्रतिद्वंदियों पर व्यक्तिगत हमले बहुत आम हो गए हैं।

मार्च में आम आदमी पार्टी ने प्रधानमंत्री को लक्ष्य करते हुए पूरे भारत में ग्यारह भाषाओं में एक पोस्टर अभियान जारी किया। उसी महीने, देश की राजधानी में, "मोदी हटाओ देश बचाओ" नारों वाले पोस्टर दीवारों और बिजली के खंभों पर चिपकाए गए, जिसके बाद छः लोगों की गिरफ्तारी हुई तथा 49 एफ.आई.आर. दर्ज हुईं। प्रतिकार स्वरुप भाजपा ने भी पोस्टर लगाए जिन पर लिखा था, "केजरीवाल हटाओ, दिल्ली बचाओ।" आप ने भी यह प्रश्न पूछते हुए मोदी के पोस्टर लगाए कि, "क्या भारत के प्रधानमंत्री को शिक्षित होना चाहिए।"

आंध्र और तेलंगाना में कर्नाटक के शिव कुमार की भारी मांग

आक्रामक राजनीति के लिए विख्यात शिव कुमार के आने से इन राज्यों के विरोधी दलों की नींद हराम है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पार्टी के लिए आक्रामक चुनावी राजनीति के लिए पहली पसंद हैं, विशेषकर जब सामना प्रतिद्वंदी भाजपा से हो, जो मुख्य नेताओं और कार्यकर्ताओं को तोड़ने के प्रयास में रहती है। डी.के. शिवकुमार ही ऑपरेशन हस्त के पीछे मुख्य शक्ति थे, जिसके तहत कर्नाटक में विरोधी जनता दल (एस.) और भाजपा के प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं को तोड़कर अपनी ओर मिलाया गया। इससे कोई विधायक, पूर्व विधायक और जिलाधिकारी मिले जिनमें से कुछ नए हैं और कुछ लौटकर कांग्रेस में आए है।

तेलंगाना, जहां चुनाव होने वाले हैं, में भी शिवकुमार ऐसे ही दांव खेल रहे हैं और वहां एक महीने तक डेरा डालकर पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी करवाएंगे। कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस को आरामदायक जीत दिलाने के बाद पार्टी में उनका कद बढ़ गया है और उसी समय तेलंगाना में पार्टी का काम संभालने को कह दिया गया था।

यह अकारण नहीं है कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाय.एस. जगन मोहन रेड्डी की बहन वाय.एस. शर्मिला शिवकुमार के संपर्क में हैं और हाल ही में बंगलौर में उनसे मुलाकात की है। वे अपनी पार्टी का विलय तेलंगाना में कांग्रेस में करवाना चाहती हैं या खुद कांग्रेस में शामिल होना चाहती हैं। वह हाल ही में नई दिल्ली में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी मिलीं।

हैदराबाद से कांग्रेस के सूत्रों ने संकेत दिया है कि शिवकुमार लंबे समय तक हैदराबाद में रहेंगे और उन्होंने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रैवंत रेड्डी से आवास की व्यवस्था करने के लिए कहा गया है। शिवकुमार तेलंगाना इकाई को अपनी सलाह और समझ से चुनाव प्रबंध की रणनीति तैयार करवाएंगे। हैदराबाद में शिवकुमार की मौजूदगी से उनकी पार्टी के लोग उत्साहित हैं लेकिन उनके प्रतिद्वंदी चिंतित हैं। एक समय वे केन्द्रीय जांच एजेंसियों के निशाने पर थे और कुछ समय दिल्ली की जेल में बिताने के बाद जमानत पर बाहर आए थे। उस समय अफवाहें थीं कि उन्हें कांग्रेस छोड़ने की सलाह दी गई थी, लेकिन उन्होंने अपनी दृढ़शक्ति से ही अपनी कानूनी और चुनावी लड़ाई लड़ने का फैसला किया।

कर्नाटक चुनाव में क्या हुआ यह सब जानते हैं। रणनीतिकार होने के अलावा शिवकुमार का आंकलन और पूर्वानुमान यथार्थपरक था। उन्होंने 224 सीट वाली विधानसभा में 136 सीटें जीतने का अनुमान लगाया था और कांग्रेस 135 सीटें जीती।

चुनाव घोषित होने और चुनाव आयोग द्वारा अधिसूचना जारी करने के बाद शिवकुमार के हैदराबाद पहुंचने की संभावना है। कुछ चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों में तेलंगाना में कांग्रेस का पुनरुत्थान और जीतने तक की भविष्यवाणियां की गई हैं। इसका संकेत यह है कि बी.आर.एस. और भाजपा से नेता टूटकर कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं।

- शिव कुमार चुनाव घोषणा के बाद हैदराबाद पहुंचेंगे और लम्बे समय तक वहां रहेंगे। तेलंगाना के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रैवंत रेड्डी से शिव कुमार के रहने का प्रबंध करने को कहा गया है।
- कर्नाटक चुनावों में बतौर रणनीतिकार शिव कुमार बेहद सफल रहे। उनकी भविष्यवाणी थी कि, कांग्रेस 224 में से 136 सीटें जीतेगी और कांग्रेस ने 135 सीटें जीतीं।
- अब शिव कुमार ने कर्नाटक में "ऑपरेशन हस्त" शुरू कर भाजपा व जद (एस) में खलबली मचा दी है

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908